

फर्द अहकाम  
( नियम 26)

## अज अदालत उपखण्ड अधिकारी, हमीरगढ

1. मांगू पुत्र श्री कालू गाडरी नि० बरडौद तह. हमीरगढ जिला भीलवाडा(राज.) वगै०

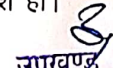
-प्रार्थी

बनाम

1. सुखा उर्फ सुखलाल पुत्र श्री चुना गाडरी नि० गाडरी तह० हमीरगढ जिला भीलवाडा वगै०

-विपक्षीगण

किस्म मुकदमा 212 प्रार्थनापत्र नं० 53 सन् 2023

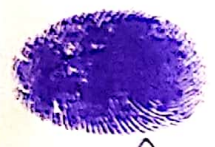
	हुकम या कार्यवाही मय इनिशयल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील मे जारी हुए
17 <sup>2</sup> / <sub>23</sub>	<p>प्रकरण प्रस्तुत हुआ पत्रावली दर्ज रजिस्टर की जाकर पेश। वकील प्रार्थी उपस्थित वकील प्रार्थी की बहस सुनी गई कि ग्राम बरडौद प.ह. बरडौद भू.अ.नि. हमीरगढ जिला भीलवाडा में आराजी नम्बर 2657 रकबा 1.7071है० में प्रार्थीगण की 03 बीघा जिस पर प्रार्थीगण काबि है से जबरन शक्ति के बल पर बेदखल नही करे व न किसी अन्य से करावे व प्रार्थीगण को उक्त आराजी का शांति पूर्वक ढंग से उपयोग उपभोग करने देवे व किसी प्रकार की बाधा अथवा रुकावट न तो स्वयं पैदा करे व न ही किसी अन्य से करावे व आराजियात को किसी अन्य को रहन, विक्रय, हस्तांतरण/खुर्द बुर्द नही करे व दस्तावेज विपक्षी संख्या 07 के यहां पेश करे तो विपक्षी संख्या 07 उसका पंजीयन नही करे व विपक्षी संख्या 06 राजस्व रेकार्ड में परिवर्तन नही करे व विपक्षीगण मौके पर किसी प्रकार का पक्का निर्माण आदि भी नही करे व मौके व रेकार्ड की यथारिथति बनायी रखे।</p> <p>मैंने प्रस्तुत प्रकरण का अवलोकन किया व वकील प्रार्थी की बहस पर मनन किया गया। प्रथम दृष्ट्या सुविधा संतुलन प्रार्थी के पक्ष का है। अगर प्रार्थी को अपने खातेदारी हक अधिकार की भूमि से विपक्षीगण द्वारा बेदखल कर दिया गया तो प्रार्थी को अपूरणीय क्षति होगी।</p> <p>—:आदेश:—</p> <p>अतः आदेश दिया जाता है ग्राम बरडौद प.ह. बरडौद भू.अ.नि. हमीरगढ जिला भीलवाडा में आराजी नम्बर 2657 रकबा 1.7071है० भूमि किसी प्रकार का हस्तक्षेप व दखलंदाजी नही करे न किसी अन्य से करावे एवं मौके व रेकार्ड की यथारिथति बनाये रखें जाने बाबत अस्थायी निषेधाज्ञा आगामी पेशी दिनांक 04.05.2023 तक जारी की जाती है। पत्रावली वास्ते तलबी हेतु दिनांक 04.05.2023 को पेश हो।</p> <p> उपखण्ड अधिकारी हमीरगढ (राज.)</p>	

प.अ.  
२०२३

मांगू व नाम अरुवा

१९/२०२३

अ.नि.मोहन



अ.नि.  
मोहन



पशावती पैसा दुर्ग | पशावती  
 आठ प्रार्थना के प्र.पत्र  
 पर पैसा दुर्ग | प्रार्थना द्वारा  
 प्रकृत प्र.पत्र में निवेदन  
 किया कि अनजान प्रकार  
 में हम प्रार्थना का विपरीत  
 के साथ शारीरिक लोक अदालत  
 में माना रहे काजीमामा रज  
 प्रकार हो है है गया है कि  
 प्रार्थना की दृष्टि आवाज कि  
 शक्ति हम वादीगण | प्रार्थना  
 के पक्ष में प्रतिवादीगण | विपरीत  
 द्वारा काजीमामा अमुकार कर्ष  
 जावही है हम वादीगण | प्रार्थना  
 प्रकार में अन कोई कार्य नहीं  
 मही चाहते हैं प्रकार वही  
 वर पर द्रोप किये जा के कि  
 आज पारित कि जाती है  
 पशावती अजल अमुकार होकर  
 फिरोज प्रकार है

उपखण्ड अधिकारी  
 हमीरगढ़ (राज.)